बैलों से खेती को प्रोत्साहन योजना में 42 हजार आवेदन आए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पारंपरिक खेती पद्धति व गौवंश संरक्षण को विशेष महत्व दिया

जयपुर, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में निरंतर सुधार के साथ किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

इसी क्रम में, राज्य सरकार ने बैलों से खेती करने वाले चयनित लघु एवं सीमांत किसानों को प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की पहल की है। इसका उद्देश्य पारंपरिक एवं जैविक खेती पद्धति को प्रोत्साहन एवं गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही, किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करना है।

राज्य सरकार बैलों से खेती करने वाले किसानों को गोबर गैस प्लांट लगाने पर सब्सिडी भी प्रदान करेगी। इससे किसानों की कृषि लागत कम होगी, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा और जैविक खाद की उपलब्धता से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

कृषि विभाग द्वारा बैलों से खेती करने वाले किसानों का डाटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिसके आधार पर पात्र किसानों का चयन किया जाएगा और उन्हें प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रदेश में अब तक 42 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सबसे ज्यादा आवेदन डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर से प्राप्त हुए हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया राज किसान साथी पोर्टल पर जारी है।

- **राज्य सरकार की योजना में बैलों से खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि के साथ गोबर गैस प्लांट लगाने के लिये सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी।**

बिहार महिला कांग्रेस प्रमुख शरवत जहां ने इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली/पटना, 21 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष शरवत जहां फ़ातिमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

टिकट वितरण में महिलाओं को कांग्रेस पार्टी में केवल आठ प्रतिशत भागीदारी मिलने से नाराज फ़ातिमा ने अपना इस्तीफ़ा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा "राजनीति करने के कई पैमाने हैं, लेकिन अपने 25 वर्ष के राजनीतिक सफ़र में, मैंने केवल नैतिकता और निडरता को अपना पैमाना बनाया है। विगत विधान सभा चुनाव में पार्टी ने मात्र आठ प्रतिशत टिकट महिलाओं को दिये और इसका परिणाम यह रहा कि दोनों सदन में हमारी पार्टी का महिला प्रतिनिधित्व शून्य पर आ गया।" इस हार की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए फ़ातिमा ने कहा कि अपने पद की गरिमा और अपनी पार्टी के महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित मूल सिद्धांत को देखते हुए, वे इस विडम्बना की नैतिक ज़िम्मेदारी लेना आवश्यक समझती हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पुत्र ट्रंप जूनियर उदयपुर पहुँचे

भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति राजू मंटेना की बेटी की शादी में शामिल होंगे ट्रंप जूनियर

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे डॉनल्ड ट्रम्प जूनियर की इस हफ्ते भारत में मौजूदगी ने लोगों का खास ध्यान खींचा है। उदयपुर पुलिस और जिला प्रशासन ने शहर में हाई अलर्ट लगा दिया है। यह हाई-प्रोफाइल यात्रा लेक सिटी में हाल के वर्षों में हुई सबसे शानदार शादियों में से एक से जुड़ी है। अमेरिका के अरबपति रामाराजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी भारतीय-अमेरिकी उद्यमी वंसी गडिराजू से हो रही है।

कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, ट्रम्प जूनियर उन टॉप ग्लोबल गैस्ट्स में से एक हैं जिन्हें इस बहु-दिवसीय समारोह में बुलाया गया है। यह कार्यक्रम शुक्रवार से सोमवार तक उदयपुर के प्रसिद्ध स्थलों पर होगा, जिनमें पिछोला झील का जगमंदिर पैलेस भी शामिल है। मेहमानों की सूची हॉलीवुड और बॉलीवुड के मिले-जुले आयोजन जैसी लग रही है, जिसमें जेनिफर लोपेज़, जस्टिन बीबर और कई बड़े हिंदी फिल्म सितारों के आने की उम्मीद है।

उदयपुर पहले भी कई हाई-प्रोफाइल समारोहों की मेजबानी कर चुका है-प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस, हार्दिक पांड्या, रवीना टंडन, नील नितिन मुकेश और ईशा अंबानी की प्री-वेडिंग रस्में यहां हो चुकी हैं। शहर की शाही इमारतें और खूबसूरत नज़ारे इसे लग्ज़री शादियों के लिए पसंदीदा जगह बनाते हैं।

दुल्हन के पिता रामाराजू मंटेना, जिन्हें "राजू मंटेना" के नाम से जाना जाता है, अमेरिका की फ़ार्मा और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं। उन्होंने इन्जीनस फ़ार्मास्यूटिकल्स की स्थापना की, जिसके शोध और विकास केन्द्र अमेरिका, भारत और स्विट्ज़रलैंड में हैं। मंटेना, आइकोर हेल्थकेयर और ऑन्कोस्क्रिप्ट्स से भी जुड़े हैं, जो कैंसर और विशेष चिकित्सा सेवाओं पर केन्द्रित कंपनियाँ हैं। भारत में भी उनका व्यवसाय फैला हुआ है, वे हैदराबाद में पंजीकृत मंटेना लेबोरेट्रीज़ से जुड़े हैं।

दूल्हा वंसी गडिराजू भी भारतीय-अमेरिकी कारोबारी पृष्ठभूमि से आते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, उनका काम फूड-टेक और रेस्टोरेंट सेक्टर से जुड़ा है। दोनों परिवारों का यह गठबंधन इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि दुनिया भर के कई बड़े मेहमान आ रहे हैं, और डॉनल्ड ट्रम्प जूनियर की मौजूदगी ने राजनीतिक और मीडिया हलकों में खास चर्चा पैदा की है।

तथापि, ट्रम्प परिवार के सदस्य की उपस्थिति के बावजूद, मंटेना परिवार और डॉनल्ड ट्रम्प या उनके बेटे के बीच किसी औपचारिक व्यावसायिक रिश्ते का कोई सार्वजनिक रिकॉर्ड नहीं है। किसी भी संयुक्त योजना या कारोबारी साझेदारी का जिक्र उपलब्ध दस्तावेजों या हालिया सूचनाओं में नहीं मिलता। व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ट्रम्प जूनियर की यह यात्रा पूरी तरह निजी और सामाजिक है, और किसी व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं जुड़ी है। फिलहाल इसे बस एक हाई-प्रोफाइल मेहमान की उपस्थिति के रूप में देखा जा रहा है, न कि किसी कारोबारी संकेत के तौर पर।

ट्रम्प जूनियर ने गुरुवार को आगरा का दौरा किया और पहली बार ताजमहल देखा, जबकि उनके पिता और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प 2020 में यहां आए थे। ट्रम्प जूनियर के साथ 40 देशों के 126 खास मेहमानों के आने की उम्मीद है। स्थानीय प्रशासन ने रास्तों की सफाई की है, आवारा जानवरों को हटाया है और सुरक्षा को कड़ा किया है ताकि सब कुछ सुचारू तरीके से हो सके।

डैस्टिनेशन वैडिंग्स के लिए उदयपुर दुनिया भर के अमीर लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है। मंटेना-गडिराजू का यह समारोह उदयपुर की प्रतिष्ठा को और मजबूत कर रहा है। और जैसे-जैसे सुरक्षा घेरा मजबूत होता जा रहा है और सेलिब्रिटीज़ पहुंच रहे हैं, ट्रम्प जूनियर की मौजूदगी पहले से ही शानदार इस शादी में एक अलग राजनीतिक रंग जोड़ रही है।

- **ट्रंप जूनियर के आगमन से यह भव्य शादी और भी खास हो गई है और प्रशासन ने भारी इंतज़ाम किए हैं।**
- **राजू मंटेना अमेरिका में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में बड़ा नाम हैं। उनकी कंपनी इन्जीनस फार्मस्यूटिकल्स अमेरिका, भारत व स्विट्ज़रलैंड में रिसर्च कार्यों को प्रायोजित करती है।**
- **ट्रंप जूनियर हालांकि निजी यात्रा पर आए हैं, पर, उनके आगमन को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।**
- **ट्रंप जूनियर ने गुरुवार को ताज महल देखा था फिर वे गुजरात गए और वनतारा का भ्रमण किया। अब वे शुक्रवार से सोमवार तक उदयुपर में हो रही शाही शादी में शामिल होंगे।**
- **ट्रंप जूनियर के अलावा जेनिफर लोपेज़, जस्टिन बीबर सहित अंतर्राष्ट्रीय जगत की कई हस्तियाँ और बॉलीवुड के सितारे भी शादी में शामिल होंगे।**

कश्मीर के अस्पतालों में हथियार जमा करने वाले थे जैश आतंकी

दिल्ली बम ब्लास्ट जांच में सनसनी खेज खुलासा

नई दिल्ली, 22 नवंबर। दिल्ली के लाल किला विस्फोट में शामिल जैश का मॉड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को बड़े हथियार भंडारण केन्द्रों में बदलने की योजना बना रहा था। ठीक उसी तरह, जैसे हमास गाज़ा के अस्पतालों में हथियार जमा करता है। एनआईए की जांच के दौरान यह बड़ा खुलासा हुआ है। जिस तरह हमास ने गाज़ा के अल-शिफा अस्पताल को हथियार भंडारण स्थल के रूप में इस्तेमाल किया था, उसी तरह जैश का यह मॉड्यूल बारामूला, अनंतनाग और बडगाम के कई अस्पतालों को हथियार भंडारण केन्द्रों में बदलने की कोशिश कर रहा था।

एनआईए सूत्रों के अनुसार, हमास और जैश कैडरों के बीच बढ़ती नज़दीकियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, इस बात की संभावना काफी बढ़ गई है कि इस जैश मॉड्यूल को हमास से तकनीकी सहायता भी मिल रही थी। इसके बाद, जांच एजेंसी को अहम जानकारी मिली। यह अहम खुलासा लाल किला विस्फोट मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए डॉ. अदील राठर से पूछताछ के दौरान भी हुआ।

जैश का "डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल" अनंतनाग, श्रीनगर, बारामूला और नौगाम के अस्पतालों को ऐसे घातक हथियारों के भंडारण केन्द्र बनाने की साजिश रच रहा था। यह जानकारी मिलते ही पुलिस ने कश्मीर के अस्पतालों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की, जहां आरोपी डॉक्टरों के लॉकरों से हथियार बरामद किए गए।

गुजरात एटीएस ने पिछले दिनों तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में हैदराबाद से एक डॉक्टर की भी गिरफ्तारी हुई थी। एटीएस जब हैदराबाद में डॉक्टर अहमद सैयद के घर पहुंची, तो वहां से बड़ी मात्रा में आतंकवाद से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिली थी।

डॉ. अहमद के भाई उमर ने बताया कि 10 लोग बुधवार तड़के वहां आए और अपने साथ 3 किलो अरंडी का गूदा, 5 लीटर एसीटोन, कोल्ड प्रेस ऑयल एक्सट्रैक्शन मशीन और एसीटोन की डिलीवरी वाली एक रसीद ले गए। उमर का कहना है कि उसके भाई अहमद ने चीन से मेडिकल की पढ़ाई की है। उसे किसी ने एक प्रोजेक्ट दिया था। बता दें कि अरंडी के गूदे से बहुत ही जहरीला राइसिन बनाया जाता है। उमर का कहना है कि उसे नहीं लगता कि उसके भाई अहमद को इस खतरनाक जहर के बारे में पता था।

- **जैसे हमास गाज़ा के अस्पतालों में हथियारों का जखीरा रखता है वैसे ही जैश कश्मीर के अस्पतालों में हथियार जमा करने की योजना बना रहा था।**

लुधियाना पुलिस ने आतंकी साजिश नाकाम की

लुधियाना, 22 नवंबर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिये काम कर रहे आतंकी राज्य की शांति भंग करने की साजिश में जुटे थे, लेकिन लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने समय रहते बड़ा हमला टाल दिया।

पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी ने ड्रोन के जरिये बॉर्डर एरिया में चीन निर्मित हैंड ग्रेनेड भेजे थे, जिन्हें राजस्थान के आरोपी दीपू और रामलाल लेकर आए थे। दोनों सीमांत राज्यों के कई शहरों को निशाना बनाने की फिराक में थे।

कमिश्नरेट पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि पूरा मॉड्यूल जसवीर उर्फ चौधरी ही चला रहा था, जो पाकिस्तान की एजेंसी और कई आतंकी गुटों के संपर्क में है।

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि आरोपी जसवीर सभी ऑपरेटिव्स के टच में रहता था। बिहार के हर्ष द्वारा ही दीपू और रामलाल को शामिल कराया गया। दोनों आरोपी पिछले दो दिनों से लुधियाना में ठहरकर ग्रेनेड हमले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के साथ मिलकर इस मॉड्यूल से जुड़े तीन और आरोपियों फिरोजपुर के शमशेर सिंह, हरियाणा के अजय और बिहार के हर्ष कुमार ओझा को गिरफ्तार कर नेटवर्क का पर्दाफाश किया था। कार्रवाई के दौरान दो चीनी 86 पी हैंड ग्रेनेड, पांच .30 बोर पिस्टल और 40 से अधिक कारतूस बरामद हुए।

- **पुलिस ने ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजे गए ग्रेनेड ब्लास्ट की कोशिश का पर्दाफाश किया व संदिग्धों को गिरफ्तार किया।**

केरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में जल्द विचार किया जाना जरूरी है.

बेंच ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को लिस्ट किया जाएगा और दूसरे राज्यों में इलेक्टोरल रोल रिवीजन एक्सरसाइज को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी।

रक्षा मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करतबबाजी दिखाने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में पायलट की भी मौत हो गयी थी।

मंत्रिमण्डल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले से था और अब उन्हें कानून विभाग की जिम्मेदारी और दी गई है; वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग मिला है। अन्य भाजपा मंत्रियों के विभाग इस प्रकार हैं- नितिन नवीन को सड़क, नगर विकास और आवास विभाग, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन, कला और संस्कृति विभाग तथा श्रेयसी सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी और खेल विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। एलजेपी (आरवी) को दो विभाग मिले हैं-गन्ना उद्योग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (पब्लिक हैल्थ इंजीनियरिंग)। एचएएम को जल संसाधन विभाग मिला है और आरएलएम को पंचायती राज विभाग दिया गया है। बाकी विभागों की घोषणा जल्द किए जाने की उम्मीद है।

अखिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयपुर एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसी प्रकार भवानी सिंह देथा को प्रमुख शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायतीराज (महिला एवं बाल विकास) विभाग राजस्थान जयपुर तथा मंजू राजपाल को प्रमुख शासन सचिव एवं पंजीयक सहाकारिता विभाग एवं कृषि एवं उद्यानिकी व पंचायतीराज (कृषि) विभाग जयपुर के पद पर लगाया है। मंजू राजपाल को राजस्थान राज्य बीज निगम लि. का अध्यक्ष भी बनाया गया है।

ठाणे में शिंदे और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प

ठाणे, 21 नवंबर। महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति गठबंधन में टकराव कम करने के लिए वरिष्ठ नेताओं की बार-बार कोशिशों के बावजूद ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में गुस्सा बढ़ता जा रहा है, जिसका नतीजा ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट के रूप में सामने आया है। दोनों पार्टियों ने यहां शुक्रवार को एक-दूसरे के खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज करायी। बताया जा रहा है कि शिवसेना कार्यकर्ताओ ने बेसिक सर्विसेज़ फॉर द अर्बन पुअर (बीएसयूपी) की आवासीय परियोजना की साइट्स पर जश्न मनाया, जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऐतराज जताया।

यूक्रेन में शांति स्थापित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानते हैं। रूस लम्बे समय से यह बात कह रहा है और मांग कर रहा है कि पश्चिम को पूर्वी यूरोप की सुरक्षा संरचना पर पुनर्विचार करना चाहिए और इस योजना में इसका समाधान नहीं है।

यूरोपीय सरकारें भी असहज प्रतीत होती हैं। अमेरिका-रूस द्वारा किए गए एक समझौते, जिसमें यूरोप की न्यूनतम भागीदारी से वे देश चिंता में पड़ गए हैं, जिन्हें इसका दीर्घकालिक प्रभाव वॉशिंगटन की तुलना में ज्यादा सहना होगा। खासकर पूर्वी यूरोपीय राज्यों के लिए, एक ऐसा समझौता, जो यूक्रेन की सैन्य क्षमता को सीमित करता है, लेकिन रूस को पूरी तरह से बाध्य नहीं करता, यह डर पैदा करता है कि कमजोर हुआ कीव एक साझीदार बनने के बजाय एक "बफर स्टेट" बन सकता है। महाद्वीप ने पहले ही देखा है कि फ्रोज़न संघर्ष क्या होते हैं, कई यूरोपीय नेता ऐसे समझौते से डरते हैं, जो अगले संकट को सिर्फ आगे सरका दे।

अगर इसे वर्तमान रूप में लागू किया गया तो सबसे बड़ा रणनीतिक लाभकारी शायद रूस होगा। यह योजना अप्रत्यक्ष रूप से रूस द्वारा विवादित क्षेत्रों पर नियंत्रण को स्वीकार कर लेगी, यूक्रेन की दीर्घकालिक रक्षा स्थिति को कमजोर करेगी, और रूस को वैश्विक प्रणालियों में-व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा सहयोग में धीरे-धीरे फिर से ताकतवर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। संयुक्त राज्य अमेरिका एक प्रमुख भू-राजनीतिक समझौते के आयोजक के रूप में कूटनीतिक रूप से लाभ प्राप्त करेगा और यूक्रेन के पुनर्निर्माण में रूसी संपत्तियों को पुनः आवंटित करने के माध्यम से आर्थिक लाभ भी प्राप्त करेगा।

लेकिन यूक्रेन राजनीतिक रूप से सबसे अधिक नुकसान उठाएगा। मजबूत अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बावजूद, एक गैर-सैन्यीकृत और निरपेक्ष यूक्रेन एक अनिश्चित भविष्य में प्रवेश करेगा, जिसमें इसकी संप्रभुता कागज पर तो स्वीकृत होगी, लेकिन प्रैक्टिकली सीमित रहेगी। कीव शांति और पुनर्निर्माण निधि प्राप्त करेगा, लेकिन उसे यह स्वीकार करना होगा कि कुछ युद्धकालीन लक्ष्यों, विशेष रूप से क्षेत्रीय पुनर्स्थापन और पूर्ण यूरो-अटलांटिक एकीकरण, को अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दिया जाएगा।

वॉशिंगटन के लिए, यह प्रस्ताव एक बड़ा जुआ है, यह मानना कि लिखित प्रतिबद्धताएँ, और समझौते का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कई देशों की टीम और आर्थिक प्रोत्साहन और दंडों के मिश्रण से यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस अपनी प्रतिज्ञाओं का पालन करे। लेकिन पक्षों के बीच विश्वास की बहुत अधिक कमी है, और कोई भी पश्चिमी देश इस बात का पूरी तरह से स्पष्टीकरण नहीं दे पाया है कि अगर किसी एक पक्ष, जो शायद रूस हो, ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया, तो समझौते को लागू कैसे किया जाएगा, खासकर तब, जब यूक्रेन की सैन्य क्षमता को घटा दिया जाएगा।

योजना के निर्माता उम्मीद करते हैं कि थकावट, युद्धक्षेत्र में गतिरोध और आर्थिक दबाव की स्थिति में कीव और मॉस्को समझौते की ओर बढ़ेंगे। फिर भी, यूक्रेन की राजनीतिक वास्तविकताएँ, मॉस्को की अतिवादी कदम उठाने की प्रवृति तथा यूरोप की रणनीतिक चिंताएँ इस 28 सूत्रीय योजना को अधिक से अधिक एक शुरुआती प्रस्ताव की तरह दिखाती हैं, न कि एक व्यावहारिक शांति योजना की तरह।

यह प्रारूप एक स्थायी समझौते में बदलता है या एक और ठुकराए गए प्रस्ताव के रूप में रह जाता है, यह इस पर निर्भर करेगा कि प्रत्येक पक्ष कितना कुछ त्याग करने के लिए तैयार है और क्या संयुक्त राज्य अमेरिका उन गारंटियों को लागू करने के लिए तैयार है, जो इसे यूरोप के इस पीढ़ी के सबसे महत्वपूर्ण युद्ध में और ज्यादा गहरे धकेल सकती हैं।

आखिरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिब्बल की कविताएं और आप सभी की गर्मजोशी से भरी भावनाएं सुनकर मेरी आवाज थम-सी गई है। उन्होंने कहा, जब मैं इस अदालत कक्ष से आखिरी बार बाहर जाऊंगा... मैं इस अनुभूति के साथ जाऊंगा कि मैंने इस देश के लिए, जो कुछ कर सकता था, वह किया। धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद।

कार्यवाही के दौरान साथी जजों ने सीजेआई गवई के योगदान को याद किया। बता दें कि गवई जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई हैं। गवई ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि हमारा संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित है, और मैंने अपनी जिम्मेदारियां इन्हीं चार दीवारों के भीतर रहकर निभाईं।

दरभंगा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमेल आया था, हालांकि जांच के बाद धमकी फर्जी पायी गयी। उसी दिन मुंबई से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान के टॉयलेट में टीशू पेपर पर बम लिखा मिला था। लैंडिंग के बाद विमान की पूरी जांच की गयी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908